5. सभी नट बोल्ट को आवश्यकतानुसार कसें।

हर 1000 से 1500 घंटे बाद देखभाल करना :

1. फ्यूल इंजेक्शन पम्प का निरीक्षण एवं सफाई करनी चाहिए।
2. मनीशील्ड सिलटेड वाटर जैकेट और अन्य जगहों से कार्बन और गंदगी साफ करना चाहिए। यदि आवश्यकता हो तो सिलेण्डर हेड को निकाल कर सिलेण्डर की सफाई करना चाहिए साथ ही वाल्ब की ग्राइडिंग करना चाहिए।
3. वाटर सरकुलेटिंग पम्प और इसके सिस्टम को चेक करना चाहिए साथ ही पूरे इंजन की ओवर हालिंग करना चाहिए। खराबियों को खोजते ही ठीक करना चाहिए।

हमारे किसान भाई उपरोक्त बातों का यदि ध्यान रखेंगे तो निश्चित ही सुरक्षित एवं समय पर अपने मशीन से सिंचाई जल प्राप्त करते हुए अपनी फसलों की सिंचाई करके लाभ कमाएंगे।

कृपया अधिक जानकारी हेतु किसान कॉल सेन्टर के निःशुल्क टॉल फ्री नं. 1800-180-1551 पर अथवा दूरभाष संख्या 0522-4155999 पर सम्पर्क करें।

विशेष जानकारी हेतु अपने क्षेत्र के कृषि विभाग के स्थानीय अधिकारी/कर्मचारी या विभाग की वेबसाइट www.agriculture.up.nic.in पर सम्पर्क करें।

प्रकाशक : प्रसार शिक्षा एवं प्रशिक्षण ब्यूरो, कृषि विभाग, 9, विश्वविद्यालय मार्ग, लखनऊ

पम्पसेट की देखभाल

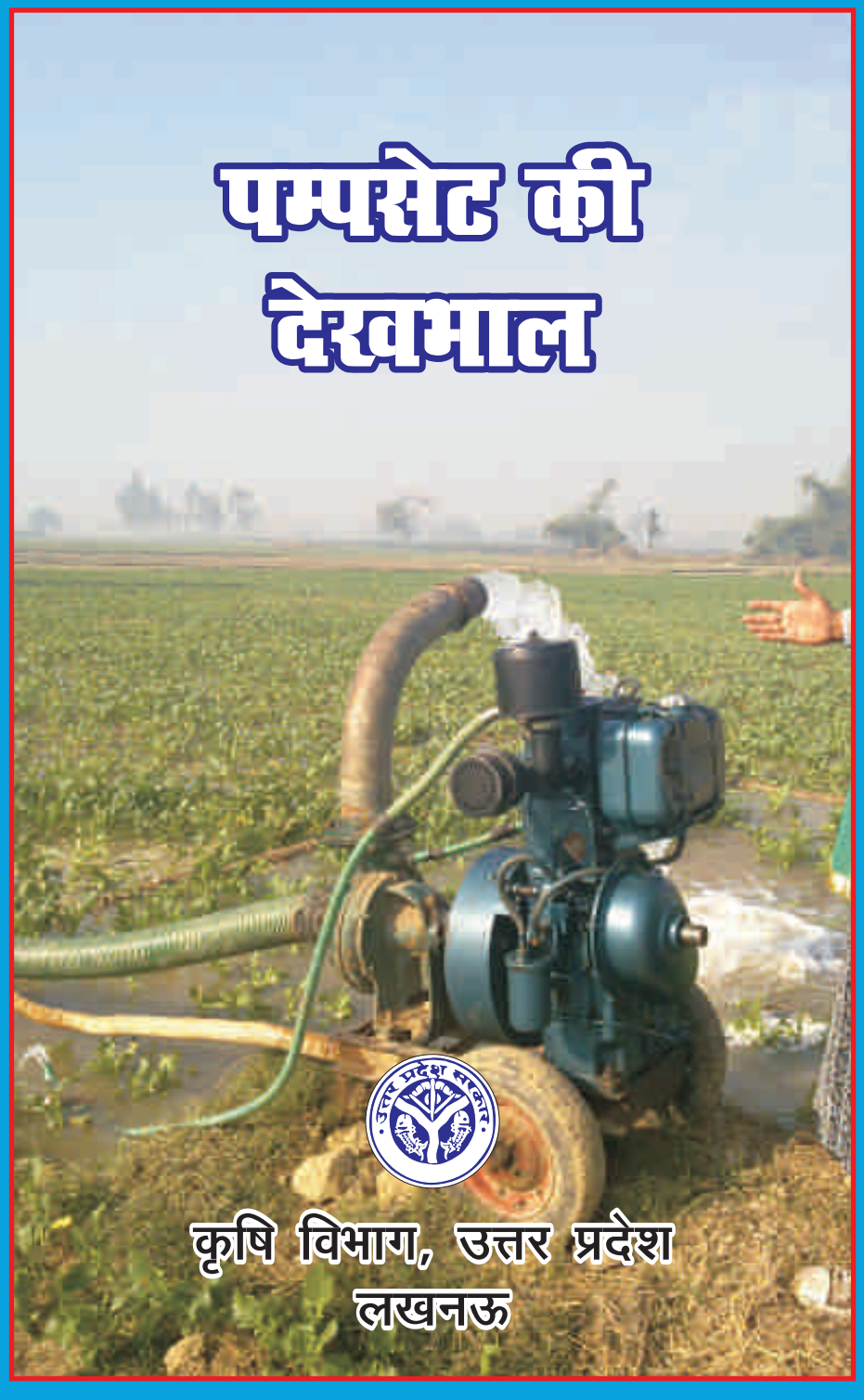

कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश
लखनऊ

पम्प सेट की देखभाल

वर्तमान परिवेश में आज की कृषि मशीनीकृत हो गयी है। जिसके लिये विभिन्न प्रकार की मशीनों का उपयोग हो रहा है। जिसमें सिंचाई एक प्रमुख कार्य है और इसके लिए एक महत्वपूर्ण मशीन पम्प सेट का प्रयोग किया जा रहा है। पहले सिंचाई के लिए पारम्परिक सिंचाई यंत्र प्रयोग किये जाते थे जिनकी देखभाल की विशेष आवश्यकता नहीं होती थी।

आजकल ज्यादातर किसान भाइयों के पास बोरिंग पर पम्पिंग सेट से ही सिंचाई की जाती है जो डीजल से चलता है। बाजार में यह मशीन कार्यक्षमता के आधार पर विभन्न आकार में उपलब्ध है। इसके आकार - प्रकार एवं हार्स पावर का चयन अपनी सिंचाई की आवश्यकता एवं भूगर्भ जल स्तर के आधार पर करना चाहिए। यदि सिंचाई की आवश्यकता के आधार पर पम्प सेट का चयन हो गया है तो उसकी ठीक ढंग से देखभाल करनी चाहिए।

पम्प सेट की देखभाल के लिए मुख्य रूप से कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना पड़ता है। पम्प सेट के रख-रखाव एवं देखभाल को मुख्य दो भागों में बांटा जा सकता है।

1. पम्प सेट को चलाने के घंटो के आधार पर नियमित देखभाल करना।
2. पम्पसेट में आई हुई कमियों के लक्षण के आधार पर मरम्मत कराते रहना।

पम्प सेट को चलाने के घंटो के आधार पर नियमित देखभाल करना :

1. डीजल और मोविल आयल की मात्रा की नियमित जांच करनी चाहिए।
2. आयल और पानी के तलछट को हमेशा निकालते रहना चाहिए।
3. आयल फिल्टर को नियमित चेक करते रहना चाहिए क्योंकि फिल्टर हमेशा साफ रखना चाहिए।
4. सभी पार्ट्स का लूब्रीकेशन चलाने से पहले चेक कर लेना चाहिए।
5. इंजन को साफ रखना चाहिए।

हर 50 घंटे के बाद देखभाल करना :

1. वाल्ब को चेक करना चाहिए। आवश्यकता हो तो सेटिंग ठीक कराना चाहिए।
2. वाल्ब को डीजल और ऑयल के मिश्रण से बराबर भागों में लुब्रीकेशन करना चाहिए।
3. बियरिंग को हमेशा चेक करते रहना चाहिए और यदि आवश्यकता हो तो लुब्रीकेशन करना चाहिए।

हर 200 घंटे के बाद देखभाल करना :

1. लुब्रीकेशन ऑयल सप्लाई पाइप आदि को निकाल कर साफ करना चाहिए।
2. फ्यूल फिल्टर और स्क्रीन की सफाई करना चाहिए यदि आवश्यकता दिखाई दे तो बदल देना चाहिए।
3. पानी बाहर निकाले तो तेल तलछट साफ करें।
4. फ्यूल आयल पम्प चेक करें।